कक्षा 10 - लोकतांत्रिक राजनीति - 2 (Civics)

अध्याय 1: सत्ता की साझेदारी (महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर श्रृंखला)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न (Objective Questions)

प्रश्न 1. बेल्जियम में मुख्य रूप से कौन-सी दो भाषाएँ बोली जाती हैं?

- (क) डच और अंग्रेजी
- (ख) फ्रेंच और जर्मन
- (ग) डच और फ्रेंच
- (घ) फ्रेंच और इटालियन

> उत्तर: (ग) डच और फ्रेंच

प्रश्न 2. श्रीलंका में किस समुदाय को 'बहुसंख्यकवाद' के तहत प्राथमिकता दी गई?

- (क) तमिल समुदाय
- (ख) सिंहली समुदाय
- (ग) ईसाई समुदाय
- (घ) मुस्लिम समुदाय

> उत्तर: (ख) सिंहली समुदाय

2. लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 3. सत्ता की साझेदारी (Power Sharing) क्या है और यह क्यों आवश्यक है?

उत्तर: किसी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में समाज के विभिन्न समूहों, स्तरों और अंगों के बीच शक्ति या सत्ता का बंटवारा करना 'सत्ता की साझेदारी' कहलाता है। यह दो मुख्य कारणों से आवश्यक है:

- **युक्तिपरक कारण:** यह विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच टकराव और गृहयुद्ध की संभावना को कम करता है, जिससे राजनीतिक व्यवस्था में स्थिरता आती है।
- **नैतिक कारण:** सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र की आत्मा है। एक सच्ची लोकतांत्रिक सरकार वही है जहाँ जनता शासन की भागीदारी के माध्यम से निर्णय प्रक्रिया से जुड़ती है।

प्रश्न 4. श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद (Majoritarianism) के क्या दुष्परिणाम हुए?

उत्तर: श्रीलंका ने 1948 में आज़ाद होने के बाद सिंहली समुदाय के प्रभुत्व को बढ़ावा देने के लिए बहुसंख्यकवाद की नीति अपनाई। इसके निम्नलिखित दुष्परिणाम हुए:

- 1956 के कानून द्वारा सिंहली को एकमात्र राजभाषा घोषित कर दिया गया, जिससे तमिल समुदाय अलग-थलग पड़ गया।
- नौकरियों और विश्वविद्यालयों में तमिलों के साथ भेदभाव होने लगा।
- इसके परिणामस्वरूप तमिल और सिंहली समुदायों के बीच संबंध बिगड़ते गए और अंततः देश में एक भयानक **गृहयुद्ध (Civil War)** शुरू हो गया।

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 5. आधुनिक लोकतंत्रों में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूप कौन-से हैं? समझाइए।

उत्तर: आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में सत्ता की साझेदारी के चार मुख्य रूप देखने को मिलते हैं:

- **1. सत्ता का क्षैतिज वितरण (Horizontal Distribution):** शासन के विभिन्न अंगों—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा। इसे 'नियंत्रण और संतुलन की व्यवस्था' (Checks and Balances) भी कहते हैं क्योंकि कोई भी एक अंग असीमित शक्ति का उपयोग नहीं कर सकता।
- **2. सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण (Vertical Distribution):** सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच सत्ता का बंटवारा, जैसे पूरे देश के लिए एक केंद्रीय सरकार और प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर पर राज्य सरकारें होना (संघीय सरकार)।
- **3. विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच साझेदारी:** भाषाई और धार्मिक समूहों के बीच सत्ता का बंटवारा। उदाहरण के लिए, बेल्जियम में **'सामुदायिक सरकार' (Community Government)** इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।
- **4. राजनीतिक दलों और दबाव समूहों के बीच साझेदारी:** लोकतंत्र में अलग-अलग विचारधारा वाले दल गठबंधन सरकार बनाकर या विभिन्न दबाव समूह (जैसे- व्यापारिक संगठन, किसान संघ) सरकारी नीतियों को प्रभावित करके सत्ता में साझेदारी निभाते हैं।